Title : Need to record and broadcast programmes from Akashvani Meerut-laid

श्री अरुण गोविल (मेरठ) : आकाशवाणी मेरठ के 10 किलोवाट FM ट्रांसमीटर की प्रसारण क्षमता 60.70 km है. लेकिन उदघाटन के बाद भी आकाशवाणी दिल्ली के FM रेनबो को रिले किया जा रहा है जिसको क्षेत्रवासी आकाशवाणी मेरठ के पहले भी सुना करते थे । क्षेत्रीय कलाकारों और विषय विशेषज्ञों को आकाशवाणी मेरठ स्टूडियो में आमंत्रित नहीं किया जा रहा है । जिस कारण मेरठ और आसपास के जिलों की लोक संस्कृति, परंपरा, साहित्य को उचित मंच नहीं मिल रहा है । ज्ञात हो कि वर्तमान समय मे मेरठ और आसपास के पश्चिमी जिले आकाशवाणी नजीबाबाद के प्रसारण क्षेत्र में आते है लेकिन आकाशवाणी नजीबाबाद मीडियम वेव पर प्रसारण करता है जिस कारण पश्चिमी जिलों में केन्द्र सरकार की किसानों सहित अन्य वर्गों के लिए लाभदायक योजनाओं और जानकारी को सुना नहीं जा रहा है और ना ही पश्चिमी जिलों से विज्ञापनों की बुकिंग होती है । ज्ञात हुआ है कि आकाशवाणी नजीबाबाद का बिल और मेंटीनेंस ही सालभर में एक से डेढ़ करोड़ रूपये जबकि कर्मचारियों की सैलरी अलग, कुल मिलाकर आज के समय मे तकनीकी और आर्थिक रूप से सरकार के लिए सफेद हाथी मात्र है जिस कारण विकल्प के रूप में एक मात्र उपाय आकाशवाणी मेरठ का पूर्ण क्षमता के साथ स्टूडियो में रेकॉर्डिंग कर प्रसारण करना है ।